सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत

प्रशिक्षण कार्यशाला

समाज विज्ञान अनुसंधान: लेखन-कौशल और प्रकाशन (हिंदी में)

3 जनवरी से 9 जनवरी 2025

(आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

सदन झा (कार्यशाला संवाहक),

सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज,

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय परिसर,

उधना–मगदल्ला रोड, सूरत – 395 007 (गुजरात)

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 8 नवम्बर 2024

चयन की सूचना: 15 नवम्बर 2024

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.css.ac.in पर जाएँ (क्लिक करें)

या हमें लिखें: webinar@css.ac.in

प्रशिक्षण कार्यशाला

समाज विज्ञान अनुसंधान: लेखन-कौशल और प्रकाशन

3 जनवरी से 9 जनवरी 2025

(आई.सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

समाज विज्ञान के अनुसंधान में लेखन की अहम् भूमिका हुआ करती है। इस क्षेत्र में शोधार्थियों के लिए पीच.डी. शोध-प्रबन्ध, शोधपत्र या शोध रिपोर्ट को प्रकाशित करना एक अनिवार्यता के साथ संभावनाओं और चुनौतियों से परिपूर्ण होता है। अकादमिक शोध के भाषा की अपनी विशिष्ट शर्तें और परिपाटी होती है और अकादमिक प्रकाशन की अपनी संश्लिष्टता। अक्सर यह देखा गया है कि लेखन और प्रकाशन से संबंधित इन जटिलताओं, चुनोतियों, एवं संभावनाओं के प्रति शोधार्थी सजग तो होते हैं पर उनमें वाञ्छित कौशल, सटीक जानकारी और उपयुक्त तालीम का अभाव होता है जिससे शोधार्थियों में एक किस्म की दिशा-हीनता और मानसिक सन्त्रास की स्थिति भी उत्पन्न होती है। अंग्रेजी से इतर हिंदी, गुजराती, मराठी या फिर किसी भी भारतीय भाषा में शोध कर रहे शोधार्थियों में शोध पीच.डी. को असरदार और अकादमिक मापदण्ड के अनुसार लिखना, इस दौरान किये गए शोध को समाज विज्ञान के श्रेष्ठ और योग्यतम जर्नल और प्रतिष्ठित प्रकाशनो में प्रकाशित करना आज के दौर में अनिवार्य हो गया है। शोध-प्रक्रिया में भी लेखन से सम्बंधित अनेक ऐसे मसले होते हैं जिनके बारे में जानकारी, अभ्यास और सतर्कता से शोध की गुणवत्ता प्रत्यक्षतः प्रभावित होती है। प्रश्नोत्तरी में शब्दों के चयन और भाषा से लेकर पाद-टिप्पणी, सन्दर्भ और संदर्भसूचि (Bibliography) की परिपाटी और इस हेतु उपलब्ध डिजिटल संशाधन, शोध आलेख के लिए शीर्षक, संक्षेप (Abstract), शोध-प्रश्न, उपलब्ध साहित्य-समीक्षा, एकत्रित आंकड़ों और फील्ड से आती आवाजों की अभिव्यक्ति और प्रस्तुति (Presentation) आदि ऐसी कड़ियाँ हैं जिनकी जानकारी और अभ्यास किसी को बेहतर शोधार्थी बनाता है। शोध-कार्य को कैसे और कहाँ प्रकाशित किया जाना चाहिए? प्रकाशन के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? आज की परिस्थिति में जब इंटर-नेट और डिजिटल तकनीकी हमारे रोजमर्रे की जीवन से लेकर शोध प्रक्रिया और समाज के प्रति हमारी समझ को महत्वपूर्ण रूप से संरचित कर रही है ऐसे में शोध की नैतिकता के प्रति एक शोधार्थी को किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए? ये चंद ऐसे प्रश्न और चुनौतियाँ हैं जिनका सामना समाज विज्ञान के शोधार्थी नियमित तौर पर करते हैं। इन और ऐसे अन्य पहलुओं के मद्देनजर **3 जनवरी से 9 जनवरी 2025** के बीच समाज विज्ञान के शोधार्थियों हेतु 'लेखन कौशल और प्रकाशन' पर केंद्रित सात-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत में किया जा रहा है।

सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत

सूरत, गुजरात स्थित सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत (सीएसएस/सेन्टर) सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत एक स्वायत्त शोध संस्थान है। भारतीय समाज विज्ञान अनुसन्धान परिषद् (ICSSR), नई दिल्ली और गुजरात सरकार से सम्बद्ध सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज समाज विज्ञान में अनुभवजन्य और सैद्धांतिक शोध के साथ व्याख्यान, परिसंवाद, और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का भी नियमित रूप से आयोजित करती है। साथ ही सेन्टर अंग्रेजी और गुजराती दोनों भाषाओ में पुस्तक और शोध-जर्नल 'अर्थात्' का प्रकाशन करता है। सेन्टर के शैक्षणिक कर्मचारियों ने गुजराती, हिंदी, और अंग्रेजी के स्तरीय और प्रतिष्ठित जर्नल और प्रकाशनों से शोध आलेख और पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

पिछले पांच दशकों में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में इस संस्थान ने क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं (Agencies) द्वारा प्रायोजित 300 से अधिक शोध-कार्यों को पूरा किया है जो अन्तः और बहु अनुशासनिक (इंटर और मल्टी-डिसिप्लिनरी) रहे हैं। यहां के शोध विषयों में आदिवासी समाज, दलित वर्ग, महिला, श्रमिक वर्ग, शहरी और ग्रामीण समाज की जटिलताओं आदि की प्राथमिकता रही है। इनके साथ समकालीन सामाजिक गतिशीलता और स्थलांतर, समाज और हिंसा, जन-संस्कृति, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और संसाधन, सुशासन, शहरी जीवन, सामाजिक न्याय और नागरिक समाज जैसे विषयो का मुख्यतः दक्षिण गुजरात लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भी अध्ययन किया गया है।

संशोधन के साथ साथ शुरूआत से ही सीएसएस का एक अन्य प्रमुख कार्यक्षेत्र पीऐच.डी./एम.फील. के शोधार्थियों और समाज विज्ञान के शिक्षको के लिए अनुसंधान पद्धति और संशोधन लेखन-कौशल पर केंद्रित कार्यशालाओं का आयोजन करने का रहा है। ये कार्यशालायें बहुधा राष्ट्रीय स्तर की होती है। सीएसएस कई दशकों तक ICSSR की सहायता से सामाजिक विज्ञान में कंप्यूटर के इस्तेमाल से जुड़े मसलों पर वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर चुका है। अब तक, गुजरात के साथ-साथ भारत के अन्य राज्यों के, विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की अनेक पीढ़ियों के शोधकर्ताओं और शिक्षकों ने इन कार्यशालाओं में सहभागिता कर लाभ उठाया है।

आयोजित किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा

सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, सूरत के तत्वाधान में भारत के विभिन्न कॉलेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टोरल, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर एवं शोधकर्ताओके लिये एक सप्ताह के अवधि की एक कार्यशाला का आयोजन 'सामाजिक विज्ञान अनुसंधान: लेखन-कौशल और प्रकाशन' विषय पर किया गया है। यह कार्यशाला मुख्यतः हिंदी माध्यम से शोध कर रहे समाज विज्ञान के शोधार्थियों के लिए आयोजित की गयी है। हिंदी माध्यम के अतिरिक्त भी (मराठी, गुजराती, अंग्रेजी आदि भाषी) शोधार्थी जिन्हें हिंदी समझने में कोई कठिनाई नहीं होती वे इस कार्यशाला में शामिल हो सकते हैं। इस कार्यशाला में लेखन और प्रकाशन के विभिन्न आयामों पर समाज विज्ञानी और अन्य विद्वान विशेषज्ञ के रूप में शोधार्थियों से संवाद-

सम्भाषण करेंगे। मूलतः यह कार्यशाला महानगरों से बाहर शोध कर रहे गैर-अंग्रेजी भाषा भाषी शोधार्थियों को ही ध्यान में रखकर आयोजित की गयी है।

कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों को शामिल किये जाने की योजना है:

- आज के समय में समाज विज्ञान में शोध और प्रकाशन से जुडी चुनौतियाँ
- शोध परक लेखन प्रक्रिया की संश्लिष्टता और विशिष्टताओं को समझना (Understanding the writing process).
- लेखन प्रक्रिया के चरणों को समझना (Stages of the writing process).
- शोध-लेखन के विभिन्न घटक: शीर्षक, संक्षेप, प्रस्तावना, साहित्य-समीक्षा, फील्ड-नोट्स आंकड़ों की प्रस्तुति, निष्कर्ष , सन्दर्भ इत्यादि (Titles, abstracts, introduction, field notes, presentation of statistical data, case studies, conclusion, footnotes, and bibliography etc.)
- अनुसंधान प्रस्ताव कैसे लिखें? (How to develop research proposal?)
- अकादमिक जर्नलों के लिए लेखन और प्रकाशन कौशल कैसे विकसित करें? (How to develop writing and publishing skills for academic journals?)
- प्रकाशन के लिए उपयुक्त जर्नल का चयन (Selecting appropriate journal for publication)
- संपादकीय प्रक्रियाओं को समझना (Understanding editorial processes)
- अकादमिक चोरी, नकल और शोध से सम्बंधित अन्य नैतिक मुद्दे (Plagiarism and other ethical issues)
- सहकर्मी समीक्षा-प्रक्रिया को समझना तथा पूर्व समीक्षित शोध जर्नल के चयन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के केयर-लिस्ट , ए.पी.आई. आदि से जुडी उपयोगी जानकारी, फ़र्ज़ी जर्नल के जाल से सतर्कता कैसे बरतें आदि (Understanding peer-review process, UGC Care List, API system, spurious and fake journals etc.)
- समाज विज्ञान में शोध हेतु डिजीटल संसाधन और डिजीटल प्रकाशन की सम्भावनायें

चयनप्रक्रिया

कार्यशाला में देश भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में से 30 शोधार्थियों (पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट, असिस्टेंट प्रोफेसर, एवं किसी संस्थान में कार्यरत शोधकर्मी) को शामिल किया जायेगा। प्रतिभागियों का चयन करते समय उनके शोध का विषय, शीर्षक, समाज विज्ञान की शाखा/अनुशाशन (डिपार्टमेंट), क्षेत्र, प्रोफाइल, शोध की पद्धति, आदि जैसे विभिन्न मानदंडों पर गौर किया जाएगा। आवेदक समाज विज्ञान के किसी भी विषय (जेसे समाजशास्त्र, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिविज्ञान, भूगोल, जनसंख्या अध्ययन, मनोविज्ञान, ग्रामीण अध्ययन, प्रबंधन, सामाजिक कार्य आदि) के शोधार्थी हो सकते/सकती हैं।

आवेदन कैसे करें

इच्छुक उम्मीदवार पंजीकरण फॉर्म के साथ आवेदन कर सकते हैं! पंजीकरण फॉर्म और ब्रोशर हमारी वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। यदि आप किसी संस्था से जुड़े

हैं और शोध कर रहे हैं तो संस्था के मुख्य अधिकारी जिनके पास एक सप्ताह के अवकाश की मंजूरी देने का अधिकार हो, उनका इस बाबत एक पत्र आवेदन के साथ सन्लग्न करें।

भरे हुए पंजीकरण फॉर्म को भेजने का अंतिम दिनांक (Last Date): **8 नवंबर 2024** है।

पंजीकरण शुल्क, यात्रा भत्ता और आवास सुविधा (Registration Fee, Travelling allowance and Accommodation)

इस एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है। सभी प्रतिभागियों के लिए आवास और भोजन की सुविधाएं नि:शुल्क है। सूरत के बाहर से आने बाले प्रतिभागियों को ही आवास प्रदान किया जाएगा। संस्था के अतिथि निवास में प्रतिभागियों को साझा-कमरा प्रदान किया जाएगा जिसमें प्रति कमरा तीन शोधार्थी के ठहरने का इंतजाम है! चयनित-आउट स्टेशन प्रतिभागियों को, मूल-यात्रा टिकट प्रस्तुत करने पर, केवल ट्रेन की द्वितीय श्रेणी/ स्लीपर और बस का, आईसीएसएसआर के नियमों के अनुसार यात्राभत्ता प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम रु.1000/- किराया देय होगा ।

कार्यशालाकी अवधि, महत्वपूर्ण दिनांक और स्थान:

- आवेदन करने की अंतिम तिथि (Last Date): **8 नवम्बर 2024.**
- चयन की सूचना: **15 नवम्बर 2024.**
- कार्यशाला की तिथियां: **3 जनवरी से 9 जनवरी 2025.**
- कार्यशाला आयोजन स्थल: सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज, **वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय परिसर, उधना-मगदल्ला रोड, सूरत-395007 (गुजरात)**
  अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट http://css.ac.in/ पर जाएँ (क्लिक करें) या हमें लिखें: webinar@css.ac.in

सदन झा (कार्यशाला संवाहक)
सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज,
वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय परिसर,
उधना–मगदल्ला रोड, सूरत - 395 007 (गुजरात)

सेन्टर फॉर सोशल स्टडीज,
वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय परिसर,
उधना-मगदल्ला रोड, सूरत - 395 007

प्रशिक्षण कार्यशाला
समाज विज्ञान अनुसंधान: लेखन कौशल और प्रकाशन
3 जनवरी से 9 जनवरी 2025
(आईसीएसएसआर [ICSSR] नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

(आवेदन करने की अंतिम दिनांक (Last Date): 8 नवम्बर 2024)

आवेदन पत्रक

1	नाम	
2	लिंग :	(1) स्त्री (2) पुरुष (3) अन्य
3	सामाजिक श्रेणी (एक टिक लगाएं निशान) प्रमाणपत्र संलग्न करें	(1) सामान्य (2) एससी (3) एसटी (4) ओबीसी (5) अल्पसंख्यक समुह (6) अन्य (स्पष्ट करें) (पूर्ण माहिती दे)
4	उम्र (जन्म तिथि)	
5	संस्था/विश्वविद्यालय/कॉलेज का नाम	
6	सामाजिक विज्ञान की शाखा	
7	शैक्षणिक योग्यता	(1) पीएच.डी. कर रहे हैं (2) पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के तहत शोधरत हैं (विवरण दें) (3) पीएच.डी. पूर्ण कर चुके हैं (4) अन्य (किसी संस्थान से जुड़े हुए हैं तो विवरण दें)
8	यदि पीएच.डी. कर रहे हैं तो फेलोशिप के साथ?	(1) हां फेलोशिप के साथ (2) फेलोशिप के बिना
8.1	पीएच.डी. पंजीकरण किस विश्वविद्यालय में किया है?	
8.2	पीएच.डी. पंजीकरण की तारीख	

8.3	शोध का शीर्षक (स्पष्टरूप से उल्लेख करें) कृपया चल रहे शोध के बारे में संक्षिप्त में (अधिकतम 300 शब्दों में) वर्णन कर एक अलग कागज पर लिखकर फॉर्म के साथ संलग्न (अटैच) करें (खासतौर पर शोध पद्धति और फील्ड वर्क या आर्काइव वर्क के बारे में लिखें)	
8.4	शोध की वर्तमान स्थिति?	(1) सारांश तैयार करना (2) साहित्य की समीक्षा (3) शोध उपकरण तैयार करना (4) माहिती एकत्र करना (5) माहिती का विश्लेषण (6) अहेवाल लिखना (7) महानिबंध जमा करना
9	आपको आवास चाहिए?	(1) हां (2) नहीं
10	क्या आपने पहले इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है?	(1) हां (यदि हां, तो विवरण दें) (2) नहीं
11	क्या आपने पहले हमारे (सी एस एस) द्वारा संचालित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है?	(1) हां (यदि हां, तो विवरण दें: वर्ष, कोर्स का नाम आदि) (2) नहीं
12	पता और ईमेल (दोनों साथ में) मोबाइल नं.	

मैं प्रमाणित करता हूं कि इस पत्रकमें दी गई जानकारी पूर्ण, सत्य है और मेरी जानकारी के अनुसार सही है।

आवेदक का नाम और हस्ताक्षर

दिनांक:

सत्यापित करने बाले शिक्षक/सुपरवाइज़र/ऑफिसरका नाम और दिनांक: हस्ताक्षर ईमेल और मोबाइल नम्बर

संस्थान /विश्वविद्यालय विभाग/ कॉलेज का मुहर